Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 20, Issue No. 1, January-2023, ISSN 2230-7540

सोशल मीडिया और उसका सामाजिक प्रभाव

डॉ० शैलेन्द्र कुमार सिंह*

एसोसिएट प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग, बैसवारा पी०जी० कालेज, लालगंज, रायबरेली

E-mail: drsksinghbdc@gmail.com

साराँश . इक्कीसवीं शताब्दी इंटरनेट के युग की शताब्दी मानी जाती है। वर्तमान समय में पूरे विश्व में प्रत्येक 6 व्यक्ति में से एक व्यक्ति व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोगकर्ता है। सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा लोग आपस में जुड़कर जानकारी साझा करते करते हैं। फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप, दुनिया के शीर्ष तीन सबसे व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्म हैं। भारत में लोग सोशल मीडिया पर प्रतिदिन 2.5 घंटे समय बिताते हैं। सोशल मीडिया पर लोग अपने दूरदराज स्थित अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों से जुड़े रहते हैं। अपने विचारों का प्रसार स्वतन्त्रतापूर्वक करते हैं। सोशल मीडिया शिक्षा, मनोरंजन, विज्ञापन, व्यवसाय का महत्वपूर्ण साधन है। सोशल मीडिया पर महिलाओं द्वारा यौन शोषण के विरूद्ध आवाज उठायी गयी। सोशल मीडिया का मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक सम्बन्ध, समाज पर नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलता है।

मुख्य शब्द - इन्टरनेट, सोशल मीडिया, फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप।

----------X----------

परिचय

इक्कीसवीं शताब्दी इंटरनेट के युग की शताब्दी मानी जाती है। वर्तमान समय में पूरे विश्व में प्रत्येक 6 व्यक्ति में से एक व्यक्ति सोशल मीडिया का उपयोगकर्ता है। सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा लोग आपस में जुड़कर जानकारी साझा करते हैं। सोशल मीडिया के अन्तर्गत वो सारी वेबसाइट या एप्लीकेशन आती हैं जिनके द्वारा लोग विभिन्न जानकारियाँ शेयर करते हैं।

आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार ऐसी वेबसाइट एवं एप्लीकेशन जो प्रयोक्ताओं को सामग्री तैयार करने एवं साझा करने या सोशल नेटवर्किंग में शामिल होने में सक्षम बनाता हो, सोशल मीडिया कहलाता है।

भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्रालय के अनुसार "किसी वेबसाइट जैसे प्लेटफार्म पर किसी व्यक्ति या एजेन्सी द्वारा स्वयं द्वारा उत्पादित किसी सामग्री से किसी दूसरे व्यक्ति या संस्था से सीधे बातचीत और सम्बन्ध सोशल मीडिया के माध्यम से स्थापित होता है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म तक अधिकतर पहुँच पूरी तरह मुक्त है एवं कोई भी उपयोगकर्ता बिना कोई शुल्क दिये इसका उपयोग कर सकता है। सोशल मीडिया के विकास के क्रम में सन् 1997 में ब्लागिंग, सन् 2001 में विकिपीडिया, सन् 2003 में सेकंड लाइफ एवं माइस्पेस, सन् 2004 में फेसबुक, सन् 2005 में यूट्यूब, सन् 2006 में ट्विटर, सन् 2009 में व्हाट्सएप का आरम्भ हुआ। फेसबुक, यूट्यूब, व्हाटसएप दुनिया के शीर्ष तीन सबसे व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्म हैं।

ग्लोबल वेब इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार औसतन एक इंटरनेट उपभोक्ता प्रतिदिन 2 घंटे 22 मिनट सोशल मीडिया पर बिताता है। फिलीपींस के लोग सोशल मीडिया पर प्रतिदिन 4 घंटे, चीन में 2 घंटे एवं भारत में 2.5 घंटे समय बिताते हैं। विश्व सोशल मीडिया दिवस हर साल 30 जून को मनाया जाता है। विश्व सोशल मीडिया दिवस विश्व में पहली बार 30 जून, 2010 को मनाया गया था। पूरे विश्व में सोशल मीडिया की भूमिका एवं महत्व को रेखांकित करने के लिए विश्व सोशल मीडिया दिवस मनाया जाने लगा। सोशल मीडिया के माध्यम से लोग अपने विचारों को एक-दूसरे के साथ साझा कर एक नई बौद्धिक दुनिया दुनिया का निर्माण कर रहे हैं।

www.ignited.in

सोशल मीडिया के प्लेटफार्मः

सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म एवं मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता निम्नलिखित हैं:-

1- Facebook : 290 करोड़

2- Youtube : 256 करोड़

3- Whatsapp : 200 करोड़

4- Instagram : 147 करोड़

5- Wechat : 126 करोड़

6- Tiktok : 100 करोड़

7- Facebook Messenger : 98.8 करोड़

8- Douyin : 60 करोड़

9- QQ : 57.4 करोड़

10- Weibo : 57.3 करोड़

11- Kuaishou : 57.3 करोड़

12- Snapchat : 55.7 करोड़

13- Qzone : 55.35 करोड़

14- Telegram : 55 करोड़

15- Pinterest : 44.4 करोड़

16- Twitter : 43.6 करोड़

17- Reddit : 43 करोड़

18- Linkedin : 31 करोड़

19- Quora : 30 करोड़

20- Viber : 25 करोड़

सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रभावः-

सोशल मीडिया दुनियाभर के लोगों से जुड़ने का महत्वपूर्ण साधन है। इसके द्वारा लोग दूरदराज स्थित अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों से जुड़े रहते हैं। अपनी तस्वीरों तथा वीडियो को शेयर करते हैं। इससे सामाजिक सम्बन्ध प्रगाढ़ होते हैं।

सोशल मीडिया ने प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान प्रदान की है। इसके माध्यम से लोग अपने विचारों का प्रसार कर रहे हैं और दूसरों के विचारों को प्रभावित कर रहे हैं। यह नेटवर्क अत्यन्त विशाल विश्व स्तर का है। विश्व के तमाम देशों में सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व्यवस्था में बदलाव के लिये प्रयास किया गया। सोशल मीडिया शिक्षा के प्रचार प्रसार का महत्वपूर्ण साधन है। शिक्षकों द्वारा छात्रों के शिक्षण हेतु वीडियो बनाकर यू-ट्यूब पर प्रसरित किया जाता है। अनेक शिक्षकों एवं कोचिंग संस्थानों द्वारा यू-ट्यूब के माध्यम से छात्रों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, व्यवसाय, कृषि, खान-पान, मनोरंजन सम्बन्धी लाखों वीडियो यू-ट्यूब पर उपलब्ध हैं। इन वीडियो के माध्यम से उपयोगकर्ता लाभ उठा रहे हैं।

नये मशहूर व्यक्ति बन रहे हैं। लोग अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। गायक कलाकर अपना वीडियो डालकर लोकप्रिय बन रहे हैं। यह प्रतिभाशाली लोगों का प्रभावशाली मंच है।

महिलाओं के प्रति यौन शोषण की घटनाओं के विरूद्ध ''हैश टेग मी टू'' अभियान चलाया गया। इसमें महिलायें यौन उत्पीड़न शोषण के नये मामलों से लेकर दशकों पुराने मामले सामने लायीं। 16 अक्टूबर, 2017 को अमेरिकी अभिनेत्री एलिसा मिलानो ने यौन हमले और उत्पीड़न की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिये एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने #Me Too का प्रयोग किया। इस ट्वीट के बाद लाखों महिलाओं ने #Me Too का ट्वीट किया। भारत में भी फिल्म और टी0वी0 उद्योग की अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीड़न की घटनाओं का जिक्र किया।

सोशल मीडिया लोगों तक ख़बरें पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। कई शोधों में यह पाया गया कि दुनिया भर के अधिकांश लोग दैनिक जीवन की सूचनायें सोशल मीडिया के माध्यम से ही प्राप्त प्राप्त करते हैं। मुख्य मीडिया के द्वारा उपेक्षित सूचनायें सोशल मीडिया के द्वारा लोगों को प्राप्त होती हैं।

सोशल मीडिया कई प्रकार के रोजगारों को भी जन्म दे रहा है। कई व्यवसायियों के लिये व्यवसाय के एक अच्छे साधन के रूप में कार्य कर रहा है। यू-ट्यूब पर डाले गये वीडियो की दर्शक संख्या के आधार पर यू-ट्यूब वीडियो बनाने वाले को को यू-ट्यूब द्वारा धनराशि का भुगतान किया जाता है। एम्बिशन बाक्स की रिपोर्ट के अनुसार एक यू-ट्यूब कंटेंट क्रिएटर का औसत वार्षिक वेतन 417759 रु0 वार्षिक होता है। उसके चैनल की सफलता के आधार पर यह आंकड़ा बहुत अधिक बढ़ सकता है। भारत में यू-

ट्यूब के सबसे अधिक कमाई करने वाले व्यक्तियों में गौरव चैधरी, चैधरी, अमित भड़ाना, भुवन बाम, निशा मधुलिका, अजय नागर आदि हैं। नेताओं के लिए ट्विटर अत्यन्त उपयोगी है। इसके माध्यम से वो सीधे लोगों तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं। चुनाव अभियान में मतदाताओं तक आसानी से अपने विचार पहुंचा सकते हैं। भारत में 2014 एवं 2019 के लोकसभा चुनाव में सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभावः-

सोशल मीडिया के तमाम सकारात्मक प्रभावों के साथ कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं।

अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और नार्वे के 2022 के क्रास नेशनल आनलाइन सर्वे में पाया गया कि जिन लोगों ने मनोरंजन के लिये या कोरोना महामारी के दौरान अकेलेपन को कम करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया, उन्होंने खराब मानसिक स्वास्थ्य का अनुभव किया। सोशल मीडिया पर किये गये पोस्ट पर कम लाइक्स मिलने पर या आलोचना होने पर इसका मानसिक प्रभाव पड़ता है। कई बार लोग डिप्रेशन में चले जाते हैं।

सोशल मीडिया के द्वारा कुछ लोग झूठी खबरें, द्वेषपूर्ण भाषण एवं अफवाहों का प्रसार करते हैं जिससे सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ता है। समाज में हिंसा फैलती है। कई बार राजनीतिक स्वार्थवश भी ऐसा किया जाता है। आनलाइन ट्रोलिंग की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

सोशल मीडिया की भूमिका पारिवारिक विवाद में बढ़ गयी है। कभी-कभी यह विवाद बढ़कर विवाह विच्छेद तक पहुँच जाता है। भारत में 5 प्रतिशत विवाह-विच्छेद का कारण फेसबुक है। सोशल मीडिया पर लोग बेरोकटोक वार्तालाप कर सकते हैं। कई बार यह पति या पत्नी में सन्देह का कारण बनता है और पारिवारिक विवाद पैदा करता है।

आनलाइन गेमिंग का बढ़ता उपयोग अनेक जोखिम भी लाया है। साइबर अपराधी लोकप्रिय प्लेटफार्म पर लक्ष्य तलाशकर गेमिंग प्वाइंट्स, सिक्कों या वर्चुअल करेंसी के आश्वासन के साथ आनलाइन गेमर्स को धोखाधड़ी दे रहे हैं। कई बार अपराधी गेम के साथ मैलवेयर को अटैचकर खिलाड़ियों के सिस्टम तक अपनी अनाधिकृत पहुँच (हैकिंग) बना लेते हैं।

सोशल मीडिया पर एक खतरनाक खेल ब्लूवेल चैलेन्ज है। इसे "इन्टरनेट सुसाइड गेम" भी कहा जाता है। इस खेल में खिलाड़ी को 50 दिन की अवधि में प्रतिदिन एक कार्य चुनौती के रूप में दिया जाता है। इसकी अन्तिम चुनौती आत्महत्या होती है। इस खेल ने 12 से 19 वर्ष के बीच के लोगों को सर्वाधिक प्रभावित किया। इस खेल के निर्माण कर्ता 17 वर्षीय फिलिप बुदेकिन को रूस में गिरफ्तार कर लिया गया। भारत सरकार ने 11 अगस्त, 2017 को गूगल इंडिया, फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, याहू इंडिया को एक आदेश पारित कर इस गेम पर रोक लगा दिया है।

सोशल मीडिया पर साइबर बुलिंग, साइबर स्टाकिंग, जुआ, धोखाधड़ी, सेक्सटार्सन जैसे साइबर अपराध देखने को मिलते हैं। कई बार साइबर अपराधी लोगों को इस प्रकार प्रेरित करते हैं कि व्यक्ति कोई सम्पत्ति/धनराशि उसे प्रदान कर दे। साइबर अपराधी सदैव अपनी प्रोफाइल में झूठी गलत जानकारी डालते हैं। ये अधिकांशतः नये उपयोगकर्ता को ही अपना लक्ष्य बनाते हैं। सोशल मीडिया पर ई-मार्केटिंग, ई-बैंकिंग, ई-शापिंग के माध्यम से लुभावने आफर देकर धोखा किया जाता है। आनलाइन लाटरी का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी की जाती है।

निष्कर्ष

इक्कीसवीं शताब्दी में इंटरनेट के प्रसार के साथ सोशल मीडिया का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। सोशल मीडिया का प्रयोग लोग सामाजिक सम्बन्धों को मजबूत बनाने, विचारों के प्रसार में, सूचना प्राप्त करने, शिक्षा प्राप्त करने, विज्ञापन, चुनाव प्रचार प्रचार आदि हेतु कर रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया का अधिक उपयोग लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। पारिवारिक विवाद उत्पन्न कर रहा है। झूठी खबरों, द्वेषपूर्ण भाषणों एवं अफवाहों से सामाजिक विसमरसता बढ़ रही है। साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर सक्रिय होकर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं। सोशल मीडिया के दुरूपयोग को रोकने के लिये आवश्यक है कि इससे सम्बन्धित कानूनों को प्रभावी बनाया जाये। लोगों को जागरूक किया जाये। सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी करके आपत्तिजनक सामाग्रियों को शीघ्र हटाने की व्यवस्था की जाये। स्कूल, कालेजों में सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल के बारे में जागरूक किया जाये।

सन्दर्भ

1. रानी, डॉ० संगीता, सोशल मीडिया सम्भावना और चुनौतियां, श्री नटराजा प्रकाशन, दिल्ली 2002
2. शिवराज, एम0एच0 जैदी, सोशल मीडिया के साइबर अपराध, एलिया ला एजेन्सी, लखनऊ, 2022
3. https://www.semrush.com/blog/most-popular-social-media-platforms/
4. https://navbharatttimes.indiatimes.com/india/whatis-metoo-movement/articlesshow/66215187.cms
5. https://amarujala.com/photo-gallery/lifestlye/top-5-indian-youtubers-net-

worth-of-top-indian-youtubers-and-youtube-channel-name-bhuvan-bam-gaurav-chaudhary-amit-bhadana
6. https://www.abplive.com/lifestyle/health/social-media-affects-mental-health-advantages-disadvantages-social-media-break-benefits-2297869
7. https://www.jagran.com/lifestyle/health-social-media-impact-social-media-addiction-can-causes-of-depression-and-anxity-how-to-protect-yourself-23093247.html
8. https://www.dristiias.com/hindi/printpdf/are-social-media-platform-the-arbiters-of-truth
9. https://www.bbc.com/hindi/social-45892402
10. https://www.jagran.com/technology/social-media-know-how-much-time-people-spend-on-social-media-from-different-countries-of-the-world-verified-jprime-21081529.html

Corresponding Author

डॉ० शैलेन्द्र कुमार सिंह*

एसोसिएट प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग, बैसवारा पी०जी० कालेज, लालगंज, रायबरेली

E-mail: drsksinghbdc@gmail.com